प्रकाशनार्थ

गोरखपुर, 21सित्मबर। **शारदीय नवरात्र का धार्मिक अनुष्ठान परम्परागत ढंग से श्रीगोरखनाथ मन्दिर में प्रारम्भ हुआ। नवरात्र के प्रथम दिवस मॉ दुर्गा के शैल पुत्री रूप की पूजा हुई,श्री दुर्गा सप्तशती का पाठोपरान्त बृहद् धार्मिक अनुष्ठान और वेद मंत्रो के साथ गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने मन्दिर परिसर में एक भव्य कलश यात्रा जिसमे सभी साधू सन्त,सस्कृत विद्यायपीठ के आचार्य एवं वेद पाठी विद्यार्थी सम्मिलित थे,कलश मे स्थापना के लिये भीम सरोवर से जल लाया गया तथा मठ में स्थित श्रीश्री दुर्गा मन्दिर में कलश पूजन एवं स्थापना के साथ सिद्धपीठ मे स्थापित तीर्थों की प्रतीक पूजा,शंख चक्र,त्रिशूल आदि कि पूजा, पंच लोकपाल, क्षत्रपाल, नवग्रह वरूण,गौरी गणेश, एव स्थातिप देवविग्रहो की पूजा अर्चना की गई।गोरक्षपीठाधीश्वर द्वारा ब्राहम्णों का वरण किया गया पुण्य वाचन के बाद शायःकालीन श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ प्रारम्भ हुआ ।सायः 7 बजे विधिवत आरती हुई आरती मे प्रमुख रूप से मठ पुरोहित पं0 रामानुज त्रिपाठी , प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ जी, डॉ0 अरविन्द्र चतुर्वेदी, डॉ0रोहित मिश्र, अरूणेश शाही, जवाहर कसोधन,रामजनम सिंह,काली बाढी के महन्त रविन्द्र दास सतीश पाण्डेय, लाल जी,बृजेश मणि प्रमुख रूप से उपस्थीत रहे।**

कलश स्थापना के साथ प्रतिदिन ब्रह्ममूर्हत में 3.00 बजे मुख्य मन्दिर की पूजा प्रारम्भ होती है। इसके उपरान्त श्री दुर्गा मन्दिर में प्रातः तथा सायं 4.00 बजे से 6.00 बजे तक श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ एवं भव्य आरती सम्पन्न होती है। यह क्रम प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नवमी तक चलेगा। शारदीय नवरात्र में अष्टमी को महानिशा पूजन सायं 6.00 बजे तथा नवमी को कुमारी कन्या पूजन मध्याह्न 12.00 बजे सम्पन्न होगा। विजयादशमी का पर्व श्रीगोरक्षपीठ का महत्वपूर्ण पर्व है।30 सित्मबर विजयादशमी के दिन श्री गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्य मन्दिर में श्री नाथ जी की पूजा प्रातः 9.00 बजे स्वंय सम्पन्न करेंगे और अपराह्न 1.00 बजे से 3.00 बजे तक श्रद्धालुजनों द्वारा गोरक्षपीठाधीश्वर का तिलकोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न होगा। अपराह्न 4.00 बजे एक भव्य शोभा–यात्रा के साथ श्री गोरक्षपीठाधीश्वर श्री गोरखनाथ मन्दिर से मानसरोवर मन्दिर में भगवान शिव का अभिषेक करेंगे। तदुपरान्त रामलीला मैदान में

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का राजतिलक सम्पन्न होगा। शोभा–यात्रा के श्री गोरखनाथ मन्दिर में वापस आने पर श्रद्धालुजनो, ब्राह्मणों, दरिद्रनारायण के लिए बृहद भण्डारा का आयोजन होगा।